सहयोग पर भारत-मंगोलिया संयुक्त समिति का सहमत कार्यवृत्त

उलानबातर में, 25 अप्रैल 2018 को सहयोग पर भारत-मंगोलिया संयुक्त समिति की छठी बैठक आयोजित की गई थी। भारत की विदेश मंत्री महामहिम श्रीमती सुषमा स्वराज और मंगोलिया के विदेश मामलों के मंत्री महामहिम श्री दमदीन सोगत्बातर ने संयुक्त रूप से बैठक की अध्यक्षता की थी।

1. दोनों पक्षों ने भारत और मंगोलिया के बीच के गहरे सभ्यतागत, ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों के आधार पर रणनीतिक साझेदारी के ढांचे में द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास का उल्लेख किया। दोनों पक्ष एक साथ काम करने की परंपरा को जारी रखने और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पारस्परिक रूप से एक-दूसरे का समर्थन करने पर सहमत हुए हैं। मंगोलियाई पक्ष ने कहा कि मंगोलिया के एक महत्वपूर्ण तीसरे पड़ोसी, भारत के साथ संबंध और सहयोग को मजबूत करना उनकी विदेश नीति की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है।

2. दोनों पक्षों ने मई 2015 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंगोलिया की ऐतिहासिक आधिकारिक यात्रा को याद किया, जिसके दौरान दोनों देशों के संबंध रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़े। दोनों पक्षों ने पारस्परिक उच्च स्तरीय यात्राओं के माध्यम से उत्पन्न गति को बनाए रखने के महत्व को स्वीकार किया और सभी स्तरों पर विनिमय बढ़ाने के लिए सहमत हुए।

3. मंगोलियाई पक्ष ने भारत की संसद में भारत-मंगोलियाई संसदीय मित्रता समूह के गठन का स्वागत किया। दोनों पक्षों ने ध्यान दिया कि दोनों संसदों में दोस्ती समूह हमारे द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

4. दोनों पक्षों ने राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा और सीमा सुरक्षा के क्षेत्रों में अपने सहयोग पर संतुष्टि व्यक्त की। दोनों पक्षों ने संयुक्त सैन्य अभ्यास "नोमाडिक हाथी" और "खान क्वेस्ट" में बहुपक्षीय अभ्यास में भारतीय भागीदारी जारी रखने की अपनी इच्छा व्यक्त की।

5. दोनों पक्ष दोनों देशों के प्रासंगिक मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच सहयोग और प्रत्यक्ष संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए सहमत हुए। दोनों पक्ष भारत के गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह की मंगोलिया की यात्रा के लिए तैयार हैं।

6. दोनों पक्षों ने दोनों देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों के बीच सहयोग के महत्व को स्वीकार किया। भारतीय पक्ष ने मंगोलिया की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव को मई 2018 में पारस्परिक हित के क्षेत्रों पर चर्चा के लिए भारत आने के निमंत्रण को दोहराया।

7. दोनों पक्ष पारस्परिक हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए वैकल्पिक रूप से मंगोलिया और भारत में विदेश कार्यालय परामर्श आयोजित करने पर सहमत हुए।

8. दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश सहयोग के विस्तार की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, दोनों पक्षों ने व्यापार समुदायों के बीच लगातार बातचीत को बढ़ावा देने और दोनों देशों में आयोजित विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्रमों और व्यापार मेलों में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया।

9. मंगोलियाई पक्ष ने मंगोलियाई छात्रों और सरकारी कर्मचारियों को भारत द्वारा प्रदान की गई छात्रवृत्ति और प्रशिक्षण के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की, यह प्रशिक्षण मंगोलिया में मानव संसाधन विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारतीय पक्ष ने सार्वजनिक नीति और शासन के क्षेत्र में प्रमुख भारतीय संस्थानों, विशेष रूप से भारत के विदेश सेवा संस्थान में वरिष्ठ मंगोलियाई सरकारी अधिकारियों के साथ में मंगोलियाई राजनयिकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की पेशकश की। मंगोलियाई पक्ष ने प्रस्तावों का स्वागत किया।

10. खनन और अन्वेषण क्षेत्र में सहयोग की संभावना को देखते हुए, दोनों पक्षों ने खनिज प्रसंस्करण और खनन उद्योग के क्षेत्र में और विचार-विमर्श के लिए दोनों पक्षों के विशेषज्ञों के बीच परामर्श को फिर से बढ़ाने का फैसला किया।

11. दोनों पक्ष कच्चे तेल के साथ तेल शोधनागार संयंत्र के कार्यान्वयन के लिए मंगोलिया के खनन और भारी उद्योग मंत्रालय के समन्वय में इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) द्वारा मई 2018 में आयोजित विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन (डीएफएस) रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए सहमत हुए। मंगोलिया में भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए 1 अरब अमरीकी डालर की ऋण श्रृंखला (एलओसी) के माध्यम से तेल आपूर्ति पाइपलाइन परियोजना बनाई जाएगी।

12. दोनों देशों के बीच वायु संपर्क स्थापित करने के माध्यम से परस्पर विनिमय को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, दोनों पक्ष मंगोलिया और भारत के बीच बेहतर वायु सेवाओं की आवश्यकता पर सहमत हुए।

13. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के दायरे को देखते हुए, दोनों पक्ष इस क्षेत्र में सहयोग के लिए एक एक खाका बनाने पर सहमत हुए।

14. दोनों पक्षों ने उलानबातर में "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता के लिए अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर" पर प्रगति की समीक्षा की।दोनों पक्ष परियोजना के शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक कदमों पर विचार करने पर सहमत हुए।

15. भारतीय पक्ष ने दोनों देशों के बीच मीडिया सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मंगोलियाई पक्ष को नियमित रूप से भारत में 10 मंगोलियाई पत्रकारों के लिए एक परिचय दौरे का प्रस्ताव दिया। दोनों पक्ष आधिकारिक सार्वजनिक प्रसारण एजेंसियों के बीच सहयोग को और मजबूत करने के लिए सहमत हुए। भारतीय पक्ष ने मंगोलियाई प्रसारण निगम के कर्मियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रस्तावित किया।

16. दोनों पक्षों ने प्रधानमंत्री मोदी की मंगोलिया यात्रा के दौरान घोषित उलानबातर में मंगोलिया-भारत मैत्री विद्यालय की त्वरित स्थापना के तरीकों पर चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की।

17. दोनों पक्षों ने शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों में सहयोग को और विकसित करने के लिए सहमत व्यक्त की।

18. दोनों पक्षों ने परंपरागत चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर सहयोग पर संतोष व्यक्त किया और अनुसंधान और विकास पर जोर देने के साथ इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया। दोनों पक्षों ने परंपरागत चिकित्सा और योग के क्षेत्र में सहयोग के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए इस वर्ष के अंत में आयुष मंत्री महामहिम श्री श्रीपाद यसो नाइक की मंगोलिया यात्रा का स्वागत किया।

19. दोनों पक्षों ने भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग और मंगोलियाई परमाणु ऊर्जा आयोग के बीच सहयोग पर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नेशनल कैंसर सेंटर, उलानबातर में स्थापित भाभाटन कैंसर थेरेपी उपकरण के सफल संचालन को पर संतुष्टि व्यक्त की।

20. भारतीय पक्ष ने उलानबातर में कुशोक बाकुला रिन्पोचे की शताब्दी मनाने के लिए मंगोलियाई पक्ष के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

21. दोनों पक्ष 201 9 में नई दिल्ली में सहयोग पर भारत-मंगोलिया संयुक्त समिति की अगली बैठक आयोजित करने पर सहमत हुए।

25 अप्रैल 2018 को उलानबातर में निष्पादित।

भारतीय पक्ष के लिए
सुषमा स्वराज
विदेश मंत्री
भारत सरकार

मंगोलियाई पक्ष के लिए
दामदीन सोग्तबातर
विदेश मंत्री
मंगोलिया सरकार